J–191

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2024

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – आदि एवं मध्यकालीन काव्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. पृथ्वीराज रासो का नवीन संस्करण सन् 1963 में 'पृथ्वीराज सासउ' नाम साहित्य सदन चिरगाँव झाँसी से किसके संपादन में प्रकाशित हुआ ?
2. विद्यापति कृत 'कीर्तिलता' का अनुमानित प्रकाशन वर्ष लिखिए।
3. कबीरदास जी का जन्म ई. सन् में लिखिए।
4. मलिक मुहम्मद जायसी का जन्म किस गाँव में हुआ माना जाता है ?
5. गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म 'तुलसी चरित्र' के अनुसार कब माना गया है ?
6. 'साहित्य लहरी' किसकी रचना है ?
7. 'रसराज' की संज्ञा किस रस को दी गई है ?
8. रीतिकालीन कवि भूषण का जन्म कहाँ हुआ ?

खण्ड—ब

9. घनानन्द की कोई तीन रचनाएँ लिखिए।
10. विद्यापति के काव्य की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।
11. रामचरितमानस के सात काण्डों के नाम लिखिए।

12. निर्गुण भक्ति काव्य की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।
13. सगुण काव्य क्या है ?
14. रीतिकाव्य की चार विशेषताएँ लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. सूरदास जी का जीवन&परिचय लिखिए।
16. कबीर के निर्गुण ब्रह्म को समझाइए।
17. रीतिकाव्य में शृंगारिक&पक्ष पर टिप्पणी लिखिए।
18. मीराबाई का जीवन&परिचय लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

    सत गुर सवां ने को सगा
    सोथी सई न दाति।
    हरि जी सवां न को हितू
    हरिजन सई न जाति⌋

20. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

    सहज सचिक्कन स्याम&रुचि
    सुचि सुगंध सुकुमार।
    गनतु न मनु पथु अपथु
    लखि बिथुरे सुथरे बार⌋

21. मीराबाई के काव्य में भक्ति&माधुर्य पर प्रकाश डालिए।
22. पद्माकर के काव्य का अनुभूति&पक्ष लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. रामचरितमानस में लोक&निरूपण को सविस्तार समझाइए।
24. कबीर के काव्य में सामाजिक यथार्थ को सविस्तार समझाइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक)**

J–192

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2024

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – आधुनिक काव्य **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. 'जयद्रथ वध' किसकी कृति है ?
2. 'आँसू' एवं 'झरना' के रचयिता कौन हैं ?
3. 'बादल को घिरते देखा है।' किसकी कविता है ?
4. अज्ञेय की दो काव्यकृतियों के नाम लिखिए।
5. 'शृंखला की कड़ियाँ' किसकी रचना है ?
6. पंत को किस कृति के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है ?
7. तारसप्तक का प्रकाशन वर्ष बताइए।
8. 'नदी के द्वीप' किसकी कविता है ?

खण्ड—ब

9. पंत की प्रकृति चेतना समझाइए।

10. निराला के महाप्राणत्व पर प्रकाश डालिए।
11. प्रगतिवाद की दो विशेषताएँ बताइए।
12. नरेन्द्र शर्मा के काव्य की अभिव्यंजना समझाइए।
13. 'असाध्य वीणा' के माध्यम से प्रयोगवाद को समझाइए।
14. दुष्यन्त कुमार के काव्य में अभिव्यक्त राजनीतिक चेतना के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य–2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. 'साकेत' के अष्टम सर्ग का कथ्य लिखिए।
16. प्रगतिवादी कवि के रूप में नागार्जुन का मूल्यांकन कीजिए।
17. महादेवी वर्मा की काव्यभाषा की समीक्षा कीजिए।
18. 'कुरुक्षेत्र' के छठे सर्ग का कथ्य लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. प्रयोगवाद की विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखिए।
20. रघुवीर सहाय की कविताओं की अभिव्यक्ति का स्वर निर्धारित कीजिए।
21. दुष्यंत कुमार की गज़लों की समीक्षा कीजिए।
22. अज्ञेय काव्य के माध्यम से व्यष्टि एवं समष्टि के द्वन्द्व को स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. अज्ञेय काव्य के माध्यम से मनोविश्लेषणवाद को स्पष्ट कीजिए।
24. पंत काव्य में अभिव्यक्त प्रकृति चेतना की समीक्षा कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2024

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – हिन्दी साहित्य का इतिहास **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य–1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार आदिकाल की समय&सीमा बताइए।
2. 'बीसलदेव रासो' के रचनाकार का नाम बताइए।
3. दो ज्ञानमार्गी शाखा के कवियों के नाम बताइए।
4. 'साहित्य लहरी' किसकी रचना है ?
5. रीतिबद्ध धारा के दो कवियों के नाम बताइए।
6. भारतेन्दु द्वारा संपादित दो पत्रिकाओं के नाम बताइए।
7. किसी एक प्रगतिवादी कवि का नाम बताइए।
8. 'अंधेर नगरी' एवं 'भारत&दुर्दशा' नाटक के लेखकों के नाम बताइए।

खण्ड—ब

9. छायावाद की किन्हीं दो विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।
10. नाथ साहित्य पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

11. रासो काव्य की अवधारणा का परिचय दीजिए।
12. अष्टछाप पर टिप्पणी कीजिए।
13. ललित निबन्ध किसे कहते हैं ?
14. 'रेखाचित्र' विधा का परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. आदिकालीन काव्य की परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।
16. निर्गुण भक्ति शाखा पर प्रकाश डालिए।
17. भारतेन्दु युगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ बताइए।
18. हिन्दी कथा साहित्य के विकास की प्रक्रिया की समीक्षा कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. आदिकाल के नामकरण की समस्या की विवेचना कीजिए।
20. भक्तिकाव्य के उदय की पृष्ठभूमि सम्बन्धी वाद&विवाद की विवेचना कीजिए।
21. द्विवेदी युगीन काव्यप्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
22. प्रगतिवादी काव्य की विशेषताएँ बताइए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. छायावादी काव्य की पृष्ठभूमि बताते हुए इसकी प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
24. उत्तर छायावादी कविताओं का वर्गीकरण करते हुए सामान्य परिचय दीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2024

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – काव्यशास्त्र एवं समालोचना **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य–1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. 'रस गंगाधर' के रचयिता कौन हैं ?
2. किसी एक काव्यहेतु का नाम लिखिए।
3. भरतमुनि ने रसों की संख्या कितनी बताई है ?
4. साधारणीकरण का सिद्धान्त सर्वप्रथम किसने दिया था ?
5. अभिव्यंजनावाद के प्रणेता कौन हैं ?
6. लोंजाइनस ने किस सिद्धान्त का प्रतिपादन किया है ?
7. किसी एक मनोवैज्ञानिक समीक्षक का नाम बताइए।
8. 'त्रिवेणी' किसका समीक्षा ग्रन्थ है ?

खण्ड—ब

9. प्रबन्ध काव्य से क्या तात्पर्य है ?

10. 'व्युत्पत्ति' से क्या समझते हैं ?
11. वक्रोक्ति संप्रदाय के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
12. साधारणीकरण की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।
13. टी. एस. इलियट द्वारा प्रतिपादित काव्य सिद्धान्त का प्रतिपादन कीजिए।
14. अरस्तू के त्रासदी सिद्धान्त को समझाइए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. काव्य प्रयोजन की अवधारणा स्पष्ट करते हुए मम्मट द्वारा प्रतिपादित काव्य प्रयोजन को समझाइए।
16. 'अभिव्यक्तिवाद' को स्पष्ट कीजिए।
17. मार्क्स के साहित्य चिन्तन की प्रक्रिया समझाइए।
18. तुलनात्मक आलोचना की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. काव्य को परिभाषित करते हुए काव्य के प्रकार बताइए।
20. भारतीय काव्यशास्त्र के किन्हीं दो संप्रदायों पर टिप्पणी कीजिए।
21. उपमा अलंकार के भेदों को सोदाहरण समझाइए।
22. ऐतिहासिक आलोचना की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. ध्वनि सिद्धान्त को स्पष्ट रूप से समझाइए।
24. आधुनिकतावाद की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इसके लक्षण बताइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2024 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2024 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**